जनवरी 2022 अंक 3

मानचित्र पर हमारी पहुंच

आघात सूचित देखभाल में नारीवादी सिद्धांतों को एकीकृत करना
– संपूर्णा चक्रवर्ती

सर्वोत्तम अभ्यास – OSC'S

स्त्री मनोरक्षा

समाचार पत्रिका

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस)
होसुर रोड, बैंगलोर - 560029
कर्नाटक, भारत
हमसे संपर्क करें: +91-8026995227|+91-7019656138
wcdcounselling@gmail.com| wcdcounsellingg1@gmail.com

स्त्री मनोरक्ष: मानचित्र पर हमारी पहुंच

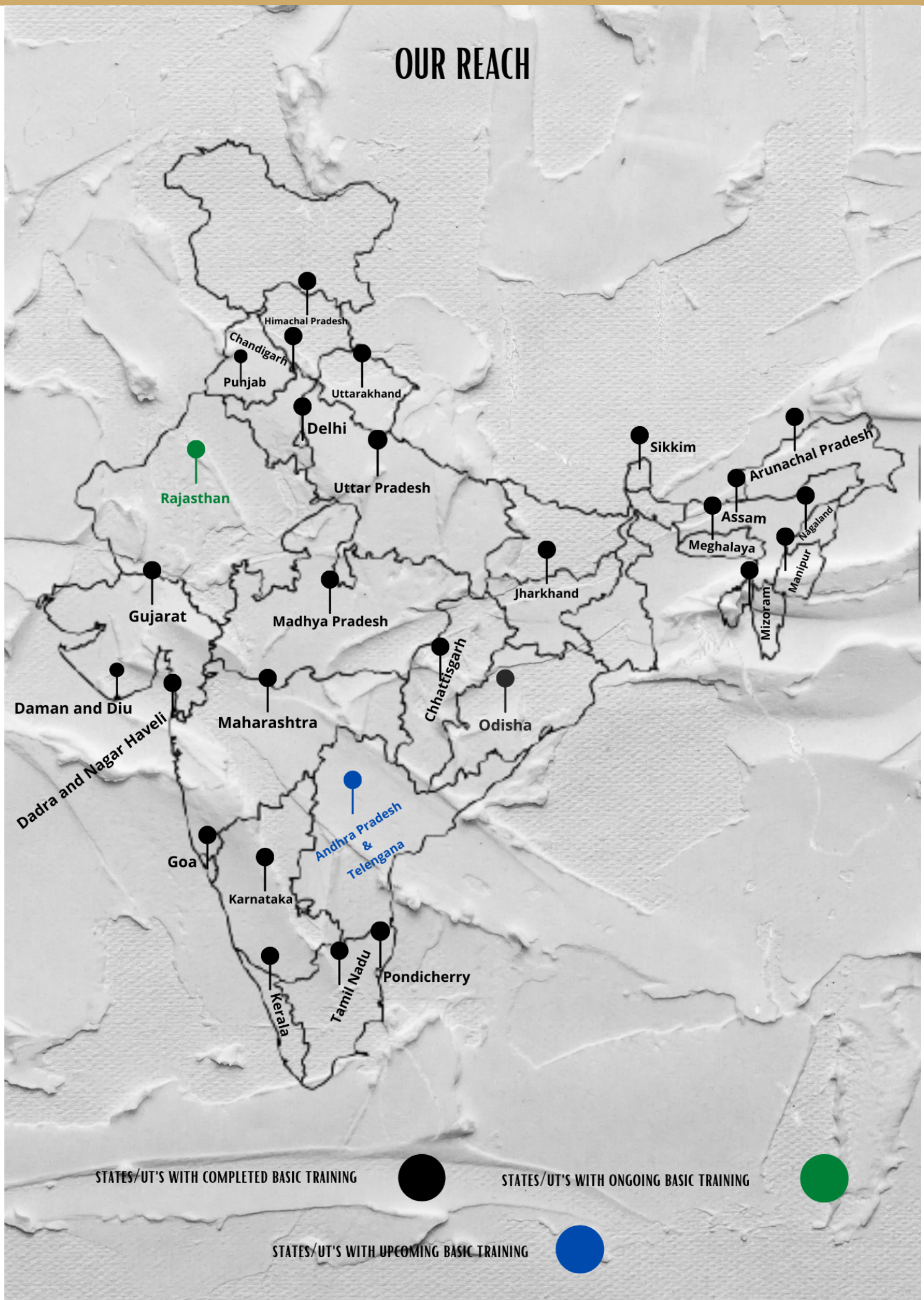

आघात सूचित देखभाल में नारीवादी सिद्धांतों को एकीकृत करना

आघात-सूचित देखभाल में नारीवाद का समन्वय :

द्वारा - संपूर्ण चक्रवर्ती

ट्रॉमा-सूचित देखभाल का मकसद आघात की व्यापक प्रकृति को समझना और उस पर विचार करने के बारे में है। ये उपचार और रिकवरी के वातावरण को बढ़ाने के बारे में हैं न की एक ऐसा वातावरण जो ट्रामा को अनजाने में पुनर्जीवित कर दे। नारीवादी सिद्धांत ट्रामा को एक सामाजिक -राजनितिक आधार पर देखता है और ये मानता है की पीड़ित का सामाजिक राजनितिक वातावरण उसके ट्रामा में एक अहम् भूमिका निभाता है। ये सिद्धांत ये भी मानता है की कुछ ट्रामा संस्थागत भेदभाव और सामाजिक श्रेणियों के द्वारा भी उत्पन्न होता है।

आम तौर पर नारीवादी सिद्धांत की राय है की उन मामलों को छोड़कर, जहां निदान मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच प्राप्त करने में मदद कर सकता है, आघात के लिए निदान करने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए, नारीवादी चिकित्सा का उद्देश्य"विकृति प्रतिक्रिया" से दूर होकरआघात में "अस्तित्व तकनीकों" पर ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ना है

हिंसा का इलाज समझने और रोकने के लिए ग्राहकों और चिकित्सक, अधिवक्ताओं और एजेंसियों, शोधकर्ताओं और चिकित्सक, नारीवादी और गैर-नारीवादी सिद्धांतो के पक्षधर व्यक्तियों के बीच में सहयोग आवश्यक है । असहमति हमारी समझ को परिष्कृत करने और योजना बनाने में सक्षम करने में मदद कर सकती है और जरूरत और पूर्ति के बीच अंतराल को कम करने और बेहतर सेवा प्रदान के लिए की जा सकती है |

चित्र 1: आघात के मामले में मूल्यांकन का नारीवादी दृष्टिकोण

चित्र 2: ट्रॉमा के लिए योजना परामर्श और मनोचिकित्सा में नारीवादी दृष्टिकोण

सर्वोत्तम अभ्यास - OSC'S

जोरेथांग जिला, दक्षिण सिक्किम द्वारा बनाई गई एक प्रगति पुस्तिका जो संकट का सामना कर रही महिलाओं के केस हिस्ट्री का एक संग्रह है।

नांदेड़ जिला, महाराष्ट्र की एक पेंटिंग जो महिलाओं के बीच साहस, जुझारूता और स्वतंत्रता को चित्रित कर रही है ।

बिलांचो एकवोट, मरगांव ओ एस सी सेंटर दक्षिण गोवा द्वारा एक पोस्टर प्रस्तुति जो महिलाओं के खिलाफ लैंगिक आधार पर हो रही हिंसा के खिलाफ जागरूकता को दर्शा रही है।